



# बीजक कबीर साहब ।

( कबीरसाहबकीकथा, मूल रमैनी तथा बघेलवंशागम निर्देश )

साकेतवासी श्रीमन्महाराजाधिराज श्रीमहाराज श्रीविश्वनाथ सिंहजूदेव  
बहादुर कृत पाखण्डखण्डनी टीका सहित ।



जिसको

बघेल कुल तिलक श्री १०८ श्रीमहाराजाधिराज रीवाधिपति

बान्धवेश श्री सीतारामकृपापात्राधिकारी श्री सर

वेङ्कटरमण रामानुजप्रसादसिंहजूदेव

बहादुरकी आज्ञानुसार,

“श्रीवेङ्कटेश्वर” ( स्टीम् ) यन्त्रालयाध्यक्ष

खेमराज श्रीकृष्णदासने

स्वामि युगलानन्द कबीर पंथी भारत पथिक द्वारा शुद्धकराय,

मुद्रितकर प्रसिद्ध किया ।

बंबई.

संवत् १९६१, शके १८२६.